कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के सिसवा बेलोहा गांव में पुलिस के कर्मचारियों ने गुंडा तत्वों के साथ मिल कर महिलाओं के साथ भयंकर एवं अत्यंत वीभत्स अत्याचार किया । इसी प्रकार की घटनाओं के होने के समाचार बिहार, मध्य प्रदेश और अनेक जगहों से भी मिले हैं ।

ऐसी घटनायें किसी भी सभ्य समाज और जिम्मेदार सरकार के लिए कलंक की बात है । इस प्रकार के पाशविक आचरण की जितनी भी निन्दा की जाय कम है ।

अत: मैं सरकार से मांग करता हूं कि सिसवा बेलोहा कांड तथा देश में हुई ऐसी घटनाओं की न्यायिक जांच कराई जाये, ताकि उनकी पुनरावृति न होने पाए। इसके साथ ही पीड़ित परिवारों को प्रधान मंत्री सहायता कोष से अनुदान भी दिया जाये और संविधान में ऐसा उपबन्ध किया जाये कि महिलाओं के ऊपर अत्याचार करने वालों को कम से कम दस वर्ष की कैद या मृत्यु दंड दिया जाय । जब तक ऐसा नहीं किया जाता तब तक हम समाज के एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग को संरक्षण प्रदान नहीं कर सकते । अत: मैं अनुरोध करता हूं कि सरकार को इस दिशा में शीघ्र कदम उठाने चाहियें ।

(v) ALLEGED DELAY IN ISSUING PASSPORT FROM COCHIN OFFICE.

PROF. P. J. KURIEN (Mavelikara): This is to bring to your kind notice the inordinate delay in issuing passports from the Cochin Office. Thousands of applications are pending for months and there are applications which are pending for more than a year. Such delay is causing real problems to some of the applicants who get sudden call from Gulf countries for appointment. Many cases have come to my notice where the offer of appointment is cancelled due to non-production of passport in time. Quite a good number of applicants could not go and join duty in time.

On enquiries it is understood that the crisis is mainly due to the shortage of passport books and owing to the shortage of staff in the Cochin Office. I urge upon the Minister of External Affairs to take up the matter and see that sufficient passport books are made available to Cochin Office and also the necessary staff strength is provided. I also request that strict instructions may be provided so as to issue the passport within one month of the date of application.

(vi) NEED FOR TAKING STEPS FOR EFFECTIVE WORKING OF NATIONAL CADET CORPS.

श्री बी. डी. सिंह (फूलपुर) : सभापति महोदय, हमारे देश अपने स्थापना वर्ष 1948 से ही राष्ट्रीय कैडेट कोर की, विद्यार्थियों को सैनिक प्रशिक्षण देने में, प्रशंसनीय भूमिका रही है । इस संगठन के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, कर्तव्य-परायणता, सेवाभाव, समयबद्धता नेतृत्व आदि गुणों का समावेश होता है । यह संगठन नवयुवकों की शक्ति को राष्ट्रोत्थान के कार्यक्रमों में प्रेरित करने का एक माध्यम है। अनेक अवसरों पर राष्ट्रीय आपदाओं के समय संगठन के नवजवानों ने महत्वपूर्ण भूमिकायें अवसरों पर राष्ट्रीय आपदाओं के समय संगठन के नवजवानों ने महत्वपूर्ण भूमिकायें निभाई हैं, परन्तु क्षोभ का विषय है कि राष्ट्रीय कैडेट कोर की कार्य प्रणाली वर्तमान समय में बड़ी दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी है । सीनियर तथा गर्ल्स डिवीजन के प्रथम वर्ष में लगभग दो लाख 20 हजार कैडेट नामांकित होते हैं, परन्तु आश्चर्य है कि बी एवं सी ग्रेड सर्टिफिकेट की परीक्षाओं में मात्र लगभग 50 हजार कैडेट सम्मिलित होते हैं । इस प्रकार दूसरे वर्ष ही एक लाख सत्तर हजार से अधिक कैडेट संगठन छोड़ जाते हैं । यह विश्वसनीय प्रतीत नहीं होता । नामांकन की कम संख्या को फर्जी तरीके से अधिक प्रदर्शित किया जाता है । कैडेट की उपस्थिति मात्र लगभग 25 प्रतिशत होती है जबकि फर्जी तरीके से उनकी उपस्थिति 85 प्रतिशत तक दिखाई जाती है। बहुत सी शिक्षण संस्थाओं में परेड बिल्कुल होती ही नहीं ।

राष्ट्रीय कैडेट कोर पर प्रतिवर्ष 110 करोड़ रुपये का व्यय किया जाता है । इस धनराशि का लगभग 88 प्रतिशत भाग अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों पर व्यय होता है । शेष मात्र लगभग 12 प्रतिशत कैडेट तथा एन. सी. सी. अधिकारियों पर व्यय होता है । शिक्षा संस्थाओं में एन. सी. सी.